Sir, I would submit that the report of the Tenth Finance Commission is unwarranted. Since it has not been discussed in Parliament and accepted by us, since it has only been laid, we should have an opportunity to discuss the report at length. Then only we would be able to do justice to the problems of the States. Thank you, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BIPLAB DASGUPTA): I find that there are nine names listed here for association. Out of these nine, I find that eight are missing and one is incapacitated because he is holding the Chair now, which means I associate myself from the Chair.

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Sir, except your goodself, none of the other Members is present here.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BIPLAB DASGUPTA): Now we move on to Special Mentions.

SHRI RAGHAVJI (Madhya Pradesh): Sir, I associate myself with what Mr. Bisi has said.

**श्री भूपेन्द्र सिंह मान :** उपसभाध्यक्ष महोदय आज सुबह चेयरमैंन साहब से मैंने अनुरोध किया था जीरो-आवर में मेंशन करने के लिए। ...(**व्यवधान**)... किसानों की हत्या हुई है हरियाणा में, गोली चली है ...(**व्यवधान**)... राम गोपाल यादव जी के बाद मेरा नम्बर था, पता नहीं कैसे चला गया ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BIPLAB DASGUPTA): We cannot do anything about it. I am sorry, whatever, you have discussed with the Chairman is' not recorded here in front of me. I would be only guided by whatever is there in front of me. Now we are taking up the Special Mentions.

**श्री भूपेन्द्र सिंह मान** : मुझे राम गोपालयादव जी के बाद बोलता था पता नहीं कैसे आगे चला गया ...(**व्यवधान**)... इतना सीरियस मसला है, गोली चली है, कि सारे मारे गये है, उसके बारे में उठाने नहीं दिया जाता है ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BIPLAB DASGUPTA): I am sorry, you should sort it out with the Chairman. The Chairman is not here. ..*(Interruptions)*.. Please sit down.

**श्री भूपेन्द्र सिंह मान** : कल क्या, परसों क्या, बात करने नहीं दी जा रही है। ...(**व्यवधान**)... इतने इश्यु होते हैं आगे आगे डाल दिये जाते हैं। ...(**व्यवधान**)... मैं प्रोटेस्ट में वाक-आऊट करता हूं। ...(**व्यवधान**)...

**(इस समय माननीय सदस्य सदन से बाहर चले गये)**

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BIPLAB DASGUPTA): Mr. John Fernandes, please.

## SPECIAL MENTIONS — Contd.

### Need to create full fledged office of the Income tax Commissioner for Goa

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Sir, I want to raise a demand for a full-fledged Income Tax Commissionerate for Goa.

Prior to the statehood of Goa in 1987, Goa had the arrangement of having an Assistant Income Tax Commissioner, the headquarters being stationed in Bangalore and the sub-office being stationed in Belgaum. Soon after the statehood of Goa in 1987, I raised the matter in this House, that we should have an independent Collector of Customs and Central Excise — which was run from Bombay — and also that a Commissionerate of Income Tax should be based in Goa. I am glad to say that the Customs Department has started a full-fledged Collectorate in Goa with an office of Collector, but the arrangement for Income Tax Officers is the same.

Sir, it becomes a matter of adjudication for us. For any small matter, the people of Goa are harassed, and they have to go, for adjudication, to Belgaum and, in turn, to Bangalore. I think it would be proper for us to have a full-fledged Commissionerate in Goa, after Goa becoming a State. We have enough

revenue. We have the mining industry in Goa by which, I think, we are having ample revenue, and most of the revenue cannot be collected in,the absense of a full-fledged Income Tax Commissionerate, in Goa. Therefore, I would Request the hon. Finance Minister to see that a full-fledged Commissionerate of Income Tax is opened in Goa. *Qt* course, he will have the problem of creation of a post. In the absence of that, 1 would request him to transfer a post of Commissioner of Income Tax lying vacant elsewhere in the country to Goa. Thank you, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BIPLAB DASGUPTA): Shri Naresh Yadav

SHRI UAJNI RANJAN SAHU: Sir, my name is there.

THE 'VICE-CHAIRMAN (dR. BIPLAB DASGUPTA): Yours is next. Please sit down.

SHRI RAJNI RANJAN SAHU: I should be called, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BIPLAB DASGUPTA): Allow Mr. Yadav to speak please.

**SERIOUS PROBLEMS ARISING OUT OF EROSION BY THE RIVER *GANGA* IN BIHAR**

**श्री नरेश यादव (बिहार)** : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं बिहार में 14 जिलों में बाढ़ की विभीषिका की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। बिहार में बक्सर से ले कर शाहबगंज तक 438 किलोमीटर गंगा नदी बहती हैं । बिहार में गंगा नदी के तेज कटाव से आज 14 जिले प्रभावित है। मैं यह बताना चाहता हूं कि अगर उ0 प्र0 के कुछ इलाके को छोड़ दिया जाए तो दोनों आर-पार में कुल इलाके को छोड़ दिया जाए तो दोनों आर-पार में कुल 600 किलोमीटर आज गंगा नदी से प्रभावित है। मैं इस गंभीरता की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। भारत सरकार इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही है। प्राकृतिक आपदा कोष बिहार के मात्र 49.4 करोड़ रुपये दिया गया है जो बहुत कम है। इसे बढ़ाया जाना चाहिये। बिहार के 14 जिलों में 76 प्रतिशत आबादी पूर्णतया बाढ़ से प्रभावित है। यहां तक कि आज बिहार के किसानों की सम्पूर्ण जान माल की क्षति हो रही है। हजारों एकड़ जमीन बरबाद हो गयी है। इसलिए श्रीमन, में इस सदन के माध्यम से आग्रह करना चाहता हूं कि 1 अरब 30 करोड़ रुपए की जो मांग बिहार सरकार ने की है वह रुपया उसे मिलना चाहिए बिहार की बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए। अंत में मैं श्रीमत का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि ऐसे गंभीर मामलों पर जिससे बिहार बरबाद और तबाह है तुरंत ध्यान देना चाहिए और जल संसाधन मंत्री को एक केन्द्रीय दल वहां की बाढ़ की विभीषिका को देखने के लिए भेजना चाहिए। बहुत बहुत धन्यवाद।

**श्री एस. एस. अहलुवालिया** (बिहार) : महोदय मैं नरेश यादव जी के इस विशेष उल्लेख का समर्थन करते हुए यह मांग करना चाहता हूं कि दियारा इलाके के लोग एक तो जब सुखा पड़ जाता है तो पानी नीचे उतर जाने के कारण भी भोगते हैं। दूसरे कोई भी सरकारी डेवलमेंट का काम वहां इसलिए नहीं होता है कि लोग कहते हैं कि जब बारिश होगी बाढ़ आएगी तो यह डूब जाएगा। उस वक्त भी उनको न्याय नहीं मिलता है क्योंकि कोई डेवलमेंट नहीं होता है। जिस वक्त बाढ़ आती है तब भी उन्हें कोई देखने नहीं जाता है। इस कटांव में बड़े से बड़े गांव, खेत, उपजाऊ खेत सब डूब जाते हैं। बहुत नुकसान होता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इस कटाव को आइंदा आने से किस तरह से रोका जा सकता है और गंगा के उस एरिया में डीसिल्टेशन का क्या प्रोग्राम लिया जा सकता है इसके लिए वाटर रिसोर्स मिनिस्टर को एक होई पावर टीम वहां भेजनी चाहिए। ड्रेजिंग कारपोरेशन को वह काम सौंपना चाहिए कि ड्रेजिंग करके उसका रोड और डीप बनाया जाए जिससे कि गंगा वहां न फैले और उसके कटाव में हमारे खेत, खलिहान और गांव न डूबे। उसका उपाय ढूंढने की जरूरत है।

**श्री रजनी रंजन साहू** (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मेरे विशेष उल्लेख का विषय बाढ़ से पीड़ित उन लोगों के सबंधं में हैं जो अकारण प्रकृति के प्रकोप से पीड़ित हैं। उत्तर बिहार के 50 लाख से अधिक लोग 12 जिलों में फैले

**UNPRECEDENTED FLOOD SITUATION IN BIHAR**

**श्री नरेश यादव :** अब 14 जिले हो गए हैं।

**श्री रजनी रंजन साहू :** 14 जिले हो गए हैं।

**श्री रजनी रंजन साहू :** 14 जिले समझ लीजिए। इनमें 40 प्रखंड इस बाढ़ से प्रभावित हैं, वहां बाढ़ से जलमग्र हैं और विभिन्न तटबंधों पर तेज कटाव जारी है। सीतामढ़ी जिले के बाढ़ में डूबकर मरने वालों की संख्या